SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (AUTONOMOUS)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Programme: **HINDI**

Programme Code: AHIN

F.Y.B.A.

2023-2024

(Based on the National Education Policy 2020)

Programme Outline: FYBA (SEMESTER I)

Course Code	Unit No	Name of the Unit MAJOR PAPER I	Credits
AHIN111MJ		हिंदी प्रतिनिधि कहानियाँ एवं गद्य विविधा (**भाग** -1)	4
	1	हिंदी प्रतिनिधि कहानियाँ	
	2	हिंदी प्रतिनिधि कहानियाँ	
	3	गद्य विविधा	
	4	गद्य विविधा	
AHIN111MN		**MINOR PAPER I**	4
		हिंदी कथा-साहित्य एवं हिंदी भाषा	
	1	श्रेष्ठ कहानियां भाग – 1	
	2	श्रेष्ठ कहानियां भाग -2	
	3	व्याकरण	
	4	भाषा दक्षता	
Course Code	Unit No	**Vocational Skill Courses (VSC)**	Credits
AVSC103		**सृजनात्मक लेखन**	2
	1	सृजनात्मक लेखन का परिचय	
	2	सृजनात्मक लेखन : व्यावहारिक प्रयोग	
Course Code **ASEC103**	Unit No	**(SEC)**	2
		हिंदी भाषा कौशल	
	1	हिंदी भाषा व्याकरण	
	2	कविता एवं कहानियाँ	
Course Code	Unit No		Credits

		Ability Enhancement Courses (AEC)	
AAEC101EH (Arts) **SAEC101EH (Science)**		**हिंदी हास्य-व्यंग्य अध्ययन एवं भाषा ज्ञान**	1
	1	हिंदी हास्य-व्यंग्य कहानियाँ	
	2	भाषा ज्ञान : व्यावहारिक लेखन	
Course Code	Unit No	**Open Elective Course (OE) (B)**	
OE105B		**नाट्य एवं रंगमंच-कला (माधवी नाटक के संदर्भ में)**	
	1	नाट्य एवं रंगमंच का सामान्य परिचय	2
	2	माधवी नाटक -भीष्म साहनी	
Course Code	Unit No	**Value Education Course (VEC)**	
VEC103		हिंदी साहित्य में मानवीय-मूल्य	2
	1	कविताएँ	
	2	कहानियाँ	

Programme Outline : FYBA (SEMESTER II)

Course Code	Unit No	**Name of the Unit** **MAJOR PAPER II**	Credits
AHIN122MJ		**हिंदी उपन्यास एवं गद्य विविधा (भाग -2)**	4
	1	उपन्यास – पचपन खम्बे लाल दीवारें (उषा प्रियंवदा) राजकमल प्रकाशन	
	2	उपन्यास – पचपन खम्बे लाल दीवारें (उषा प्रियंवदा) राजकमल प्रकाशन	
	3	गद्य विविधा	
	4	गद्य विविधा	

Course Code **AHIN122MN**	Unit No	**MINOR PAPER II**	4
		आधुनिक काव्य एवं हिंदी भाषा	
	1	काव्य कुञ्ज भाग – 1	
	2	काव्य कुञ्ज भाग -2	
	3	व्याकरण	
	4	भाषा दक्षता	
Course Code	Unit No	**Vocational Skill Courses (VSC)**	Credits
AVSC203		**अनुवाद -कला**	2
	1	अनुवाद का परिचय	
	2	अनुवाद -कला : व्यावहारिक प्रयोग	
Course Code **ASEC203**	Unit No	**(SEC)**	2
		हिंदी भाषा कौशल	
	1	हिंदी भाषा व्याकरण	
	2	कविता एवं कहानियाँ	
Course Code	Unit No	**Ability Enhancement Courses (AEC)**	Credits
AAEC201EH **(Arts)**		**समकालीन महिला कहानीकार एवं भाषा ज्ञान**	1
SAEC201EH **(Science)**	1	समकालीन कहानियाँ	
	2	भाषा ज्ञान : हिंदी व्याकरण	
Course Code	Unit No	**Open Elective Course (OE) (B)**	
OE205B		**नाट्य एवं रंगमंच-कला (माधवी नाटक के संदर्भ में)**	
	1	नाट्य एवं रंगमंच का सामान्य परिचय	2

	2	माधवी नाटक -भीष्म साहनी	
Course Code	**Unit No**	**Value Education Course (VEC)**	
VEC103		**हिंदी साहित्य में मानवीय-मूल्य**	2
	1	कविताएँ	
	2	कहानियाँ	

Preamble (प्रास्ताविका)

कला स्नातक [बी . ए] के हिंदी पाठयक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं तकनीकि विकास के व्यापक अध्ययन हेतु कुल नौ पेपर शामिल किये गए हैं, जो कि हिंदी विभाग की बड़ी उपलब्धि है और यह ऐसा विभाग है जो भारतीय भाषा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत से छात्रों को जोड़ता है | इस पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी की विविध विधाओं जैसे – कविता, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कहानी, व्याकरण आदि को शामिल किया गया है | कहानियाँ एवं काव्य के माध्यम से छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों से परिचित करना और उनमें नैतिकता का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

विभाग ने पाठयक्रम में भाषा की शुद्धता में वृद्धि करने हेतु अनेक व्याकरण के विषयों को सम्मिलित किया है| छात्रों को रोजगार के क्षेत्रों में सक्षम करने हेतु इस पाठयक्रम में संचार-कौशल, अनुवाद , विज्ञापन, पत्रकारिता एवं कंप्यूटर तकनीकि आदि विषयों को पढ़ाया जाता है | छात्रों में आलोचनात्मक विश्लेषण, हिंदी साहित्य एवं संस्कृति का महत्व, पर्यावरण सजगता के प्रति गहरी चेतना जागृत करने हेतु पाठ्यक्रम में निबंध, उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को शामिल किया गया है |

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को एक ही स्तर पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है| काव्यशास्त्रीय अध्ययन से छात्रों में काव्य के प्रति रुचि निर्माण हो इसलिए भारतीय काव्यशास्त्र का विषय सम्मिलित किया गया है | हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा इतिहास संबधी जानकारियां प्राप्त हो तथा छात्रों को भाषाई शुद्धता का ज्ञान हो इसलिए भाषा-विज्ञान के विविध विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है | नाटकों और निबंधों के माध्यम से छात्रों में पारिवारिक मूल्यों और संबंधों के प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयत्न किया गया है |

साहित्य और समाज के मध्य के गहरे सम्बन्ध को समझाने हेतु और साहित्य ही समाज का प्रतिबिम्ब है यह प्रस्थापित करने हेतु अस्मितामूलक विमर्श, विविध विचारकों जैसे गांधी, मार्क्स, आम्बेडकर एवं राजाराममोहन राय आदि के विचारों का हिंदी साहित्य पर पड़ा प्रभाव दर्शाने वाले विमर्श साहित्य में सम्मिलित किये गए हैं |

PROGRAMME OBJECTIVES

PO 1	हिंदी भाषा तथा साहित्य में विद्यार्थियों की रुचि निर्माण करना |
PO 2	हिंदी साहित्य की विधाओं द्वारा सामाजिक समस्याओं व विसंगतियों के प्रति विद्यार्थियों को जागृत करना।
PO 3	हिंदी व्याकरण के अलग-अलग विषयों का अभ्यास कराना ताकि भाषागत अशुद्धियाँ दूर हो सके और हमारे विद्यार्थी शुद्ध लेखन एवं वाचन कर सकें |
PO 4	विद्यार्थियों में व्याकरण संबंधी सूत्रों के उच्चारण एवं सृजनात्मक क्षमता की वृद्धि करना।
PO 5	विद्यार्थियों के लिए हिंदी में रोजगार का अवसर निर्माण करना |
PO 6	दैनंदिन कार्य में हिंदी के प्रयोग को बढावा देने का प्रयास करना ।
PO 7	पुस्तक में निहित ज्ञान भंडार का अवलोकन कर स्वाध्याय के प्रति गहरी रुचि उत्पन्न करना। छात्रों में पठन कला की निपुणता का विकास करना।
PO 8	विद्यार्थियों को उचित गति के साथ लिखने का अभ्यास कराना,जिसमें निबंध, संवाद, सारांश, पत्र इत्यादि लिखने की कला कुशलता उत्पन्न करने का प्रयास करना|
PO 9	हिंदी भाषा की उत्पत्ति एव विकास का पूरा ज्ञान देते हुए भाषा दक्षता में निपुण बनाना |
PO 10	हिंदी साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यवहारिकता का ज्ञान कराना तथा अन्य विषयों का साहित्यिक अध्ययन करना।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

PSO 1	हिंदी भाषा के माध्यम से कल्पनाशक्ति, भाषिक दक्षता से साथ-साथ विद्यार्थियों में सृजनात्मक लेखन कौशल का निर्माण होगा |
PSO 2	विद्यार्थियों में भाषा अधिकार के साथ साथ वैचारिक चिंतन की प्रतिभा का निर्माण होगा, जिससे वे सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक स्तरों पर मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगी |
PSO 3	हिंदी लेखन में शुद्धता, स्पष्टता तथा प्रभावशाली लेखन कौशल का निर्माण होगा | हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ेगी |
PSO 4	हिंदी में संवाद लेखन, अनुवाद आदि में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे |

PSO 5	हिंदी साहित्य के पठन से समालोचनात्मक चिंतन की क्षमता के गुणों का विकास होगा | अभिव्यक्ति कौशल तथा समाज के प्रति जागरुकता निर्माण होगी |

COURSE DETAILS FOR MAJOR:

HINDI MAJOR I

Programme: Humanities **HINDI Major** 1 **DSC**		**Semester – I**	
Course Title: : हिंदी प्रतिनिधि कहानियाँ एवं गद्य विविधा (भाग 1)		**Course Code: AHIN111MJ**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		4	
Total number of Hours in a Semester		60	
Credits		4	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 marks**
	Internal Assessment		**50 marks (25 each)**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों में लेखन और अभिव्यक्ति कला का विकास करना |
CO 2.	कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं सामाजिकता का विकास करना |
CO 3.	कहानी के वाचन और व्याख्या से विद्यार्थियों को हिंदी के बड़े कहानीकारों से परिचित कराना और जीवन के विभिन्न दृष्टिकोणों, अनुभवों, विचारबिंदुओं, छवियों एवं संवेदनाओं को महसूस करने की क्षमता का निर्माण करना।
CO 4.	हिंदी भाषा में व्याकरण से सुस्पष्ट और शुद्ध लेखन कौशल का निर्माण करना |
CO 5.	हिंदी साहित्य की अन्य गद्य विधाएँ जैसे संस्मरण, यात्रा-वृत्तान्त, पत्र, डायरी आदि का सामान्य परिचय करना |

CO 6.	गद्य विधाओं के माध्यम से प्रसिद्ध गद्यकारों का परिचय करना, रचनात्मक लेखन का विकास करना |
CO 7.	जीवनी विधा के माध्यम से महान पुरुषों के जीवन का परिचय करना तथा विद्यार्थियों में चारित्रिक गुणों का विकास करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न-पत्र के अंतर्गत प्रतिनिधि कहानियों से सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक व सांस्कृतिक भावना जागृत होगी |
CLO 2.	बौद्धिक विकास होगा, ज्ञानात्मक आधार पुष्ट होगा और विद्यार्थियों में रसास्वादन के कौशल का विकास होगा|
CLO 3	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न-पत्र के अंतर्गत गद्य के विविध रूप पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी के विविध विधाओं से परिचित होंगे तथा लेखन कौशल का विकास होगा |
CLO 3	विद्यार्थियों में मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगी |
CLO 3	विद्यार्थियों में वैचारिक दृष्टिकोण निर्माण होगा एवं राजनैतिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, सामाजिक तथा नैतिक मूल्यों का विकास होगा |
CLO 3	हिन्दी साहित्य के विविध विधाओं के प्रति रुचि निर्माण होगी |

इकाई 1	**हिंदी प्रतिनिधि कहानियाँ**
1.1	नौकरी पेशा- कमलेश्वर
1.2	परदा – यशपाल
1.3	भेडियें- भुवनेश्वर
इकाई 2	**हिंदी प्रतिनिधि कहानियाँ**
2..1	कर्मनाशा की हार -शिवप्रसाद
2.2	काला शुक्रवार -सुधा अरोड़ा
2.3	अकाल मृत्यु – स्वयं प्रकाश

इकाई 3	**गद्य विविधा**
3.1	नजर नसाई गई मालिक (रेखाचित्र)- नलिन विलोचन शर्मा
3.2	जैसे उसके दिन फिरे – (व्यंग्य)- हरिशंकर परसाई
3.3	महाभारत की एक सांझ – (एकांकी) भारत भूषण अग्रवाल
3.4	सरहद के उस पार –(रिपोर्ताज) फणीश्वरनाथ रेणु
इकाई 4	**गद्य विविधा**
4.1	आज के अतीत से (आत्मकथ्य) भीष्म साहनी
4.2	भाषा बहता नीर (निबंध) कुबेरनाथ राय
4.3	सरयू भैया (संस्मरण) – रामवृक्ष बेनीपुरी

संदर्भ

1. प्रतिनिधि कहानियाँ – सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, प्रकाशक – परिदृश्य प्रकाशन
2. गद्य विविधा - सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, प्रकाशक – परिदृश्य प्रकाशन
3. हिंदी कहानी परम्परा और प्रगति- डॉ. हरदयाल, प्रकाशन - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी कहानी का इतिहास -गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी कहानी का समकालीन परिदृश्य – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ , जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
7. कहानी स्वरुप और संवेदना- राजेंद्र यादव , नॅशनल पब्लिशिंग हाऊज, दिल्ली
8. हिंदी निबंध का इतिहास -मृत्युंजय उपध्याय, तक्षशिला प्रकाशन
9. निबंध सरिता – डॉ. तारा सिंह, कलेवर पब्लिकेशन
10. हिंदी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. अमरकांत
11. हिंदी का गद्य इतिहास – रामचंद्र तिवारी

HINDI MINOR 1 (DSE)

Programme: Humanities **HINDI MINOR 1 (DSE)**		**Semester – I**	
Course Title: हिंदी कथा-साहित्य एवं हिंदी भाषा		**Course Code: AHIN111MN**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		4	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		4	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 marks**
	Internal Assessment		**50 marks (25 each)**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थी को हिंदी की आधुनिक कहानियों एवं व्याकरण के माध्यम से भाषा और साहित्य का ज्ञान देना।
CO 2.	प्रेमचंद से लेकर समकालीन रचनाकारों तक की कहानियों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं व विसंगतियों के प्रति विद्यार्थियों को जागृत करना।
CO 3.	व्याकरण के अलग-अलग विषयों का अभ्यास करना ताकि भाषागत अशुद्धियाँ दूर हो सके और विद्यार्थी शुद्ध लेखन एवं वाचन कर सकें।
CO 4.	दैनंदिन कार्य में हिंदी के प्रयोग को बढावा देने का प्रयास करना।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	हिंदी साहित्य के प्रति रुचि एवं भाषा का विकास होगा | कहानियों के माध्यम से कहानी लेखन में रुचि का निर्माण होगा |
CLO 2.	प्रेमचंद से लेकर अमरकांत तक के अनेकों कथाकारों की कथाओं के माध्यम से विद्यार्थी, समाज की समस्याओं, मानवीय स्वप्नों एवं त्रासदियों को समझ अपनी चेतना का विस्तार करेंगे और भाषा प्रयोग में भी सहज ही कुशल हो जाएँगे।
CLO 3	संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया , विशेषण आदि के संज्ञान से भाषा की परिपूर्णत: परिशुद्धता और कौशल की तरफ अग्रेसर होंगे |

इकाई 1	**श्रेष्ठ हिंदी कहानियाँ – 1**
1.1	बड़े घर की बेटी – प्रेमचंद
1.2	पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
1.3	डिप्टी कलेक्टरी – अमरकांत
1.4	चीफ की दावत : भीष्म सहानी
इकाई 2	**श्रेष्ठ हिंदी कहानियाँ – 2**
2..1	वापसी -उषा प्रियंवदा
2.2	अकेली -मन्नू भंडारी
2.3	घुसपैठिये -ओमप्रकाश वाल्मीकि
2.4	कब्र का मुनाफा – तेजेंद्र शर्मा
इकाई 3	**व्याकरण**
3.1	संज्ञा, सर्वनाम
3.2	विशेषण, क्रिया
इकाई 4	**भाषा दक्षता**
4.1	अशुद्धि-शोधन
4.2	पत्र-लेखन

संदर्भ

1. काव्य कुञ्ज - सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
2. श्रेष्ठ कहानियां भाग 1 / 2 - सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
3. हिंदी कहानी का विकास- मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी कहानी का समकालीन परिदृश्य – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ , जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
6. कहानी स्वरुप और संवेदना- राजेंद्र यादव , नॅशनल पब्लिशिंग हाऊज, दिल्ली
7. हिंदी व्याकरण- कामता प्रसाद गुरु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी भाषा और लिपि -डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
9. बोलचाल की हिंदी -सुशीला गुप्ता
10. आधुनिक हिंदी काव्य और कवि – डॉ. सुरेश चन्द्र निर्मल, भावना प्रकाशन, दिल्ली

Vocational Skill Courses (VSC)

Programme: Humanities **Vocational Skill Courses (VSC)**		**Semester – I**	
Course Title: सृजनात्मक लेखन		**Course Code: AVSC103**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		2	
Total number of Hours in a Semester		**30**	
Credits		2	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थी की मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।
CO 2.	विद्यार्थियों की लेखन - कला में कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता का विकास करना |
CO 3.	रचनात्मक शैली का परिचय देते हुए सृजनात्मक लेखन की ओर उन्हें प्रेरित करना |
CO 3.	सृजनात्मक लेखन के प्रति रुचि निर्माण करना ताकि वे कहानी, कविता, फिल्म लेखन, पटकथा लेखन आदि का सृजन कर सके |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	हिंदी साहित्य के प्रति रुचि एवं भाषा का विकास होगा | कहानी - लेखन में रुचि का निर्माण होगा |
CLO 2.	साहित्य के विविध विधाओं की जानकारी प्राप्त होगी और कहानी, पटकथा, संवाद, समाचार-लेखन कौशल का विकास होगा |
CLO 3	रोजगार के विविध क्षेत्रों में जैसे फिल्म लेखन, विज्ञापन लेखन, तथा लेखक के रुप में विद्यार्थियों में कौशल निर्माण होगा साथ ही वे अन्य क्षेत्रों में भी कार्य कर सकेंगे |
CLO 4	हिंदी भाषा में परिपक्वता निर्माण होगी और लेखन क्षेत्र में विद्यार्थियों का कौशल विकास होगा |

इकाई 1	**सृजनात्मक लेखन का परिचय**
1.1	सृजनात्मक लेखन का अर्थ एवं स्वरूप
1.2	सृजनात्मक लेखन के तत्व
1.3	सृजनात्मक लेखन का महत्त्व एवं उपयोगिता
1.4	सृजनात्मक लेखन के प्रकार
इकाई 2	**सृजनात्मक लेखन : व्यावहारिक प्रयोग**
2..1	कहानी लेखन
2.2	फीचर लेखन
2.3	समाचार लेखन
2.4	साक्षात्कार लेखन

संदर्भ

1. रचनात्मक लेखन – सम्पादक रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ
2. संचार मीडिया, व्यावसायिक पत्र-लेखन तथा अनुवाद – प्रकाशन विभाग, महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, केरल
3. पटकथा लेखन एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. मीडिया लेखन – सुमित मोहन – नवोदय सेल्स, दिल्ली
5. पटकथा सौन्दर्य और सृजन- डॉ. चंदेश्वर यादव, अनंग प्रकाशन
6. कथा पटकथा – मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. इंटरव्यूह जर्नलिस्म- डॉ. यश गोयल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

Skill Enhancement Courses (SEC)

Programme: Humanities **Skill Enhancement Courses (SEC)**		**Semester – I**	
Course Title: हिंदी भाषा कौशल		**Course Code: ASEC103**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**2**	
Total number of Hours in a Semester		30	
Credits		**2**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	अहिन्दी भाषी विद्यार्थी को हिंदी भाषा का संज्ञान करना |
CO 2.	विद्यार्थियों में मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल निर्माण करना।
CO 3.	विद्यार्थियों की लेखन-कला में कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता का विकास करना |
CO 4.	साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय देते हुए हिंदी लेखन तथा वाचन का कला का विकास करना |
CO 5.	लेखन के प्रति रुचि निर्माण करना |
CO 6.	कहानी, कविता, संवाद आदि का वाचन एवं पठन का अभ्यास करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	विद्यार्थी हिंदी भाषा से अवगत होंगे और उनमें हिंदी भाषा के प्रति रुचि निर्माण होगी |

CLO 2.	हिंदी साहित्य: कहानी, कविता- वाचन और पठन-कौशल निर्माण होगा |
CLO 3	रोजगार के विविध क्षेत्रों में जैसे फिल्म लेखन, विज्ञापन लेखन, तथा लेखक के रुप में विद्यार्थियों का कौशल निर्माण होगा और वे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकेंगे |
CLO 4	हिंदी भाषा में परिपक्वता निर्माण होगी और लेखन क्षेत्र में विद्यार्थियों का कौशल विकास होगा |

इकाई 1	**हिंदी भाषा : व्याकरण**
1.1	वर्ण-विचार स्वर एवं व्यंजन का सामान्य परिचय
1.2	चिन्ह-योजना का ज्ञान
1.3	पद-ज्ञान (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
1.4	वाक्य-योजना
इकाई 2	**कविता एवं कहानियाँ :**
2..1	कहानी-वाचन,
2.2	कहानी-लेखन
2.3	कविता-वाचन
2.4	कविता-लेखन

संदर्भ

1. हिंदी भाषा शिक्षण – संपादक प्रो. डॉ.सदानंद भोसले, हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय. पुणे
2. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग \|
3. भाषा विज्ञान की भूमिका – आ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. भाषा विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र – कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

Ability Enhancement Course (AEC)

Programme: Humanities **Ability Enhancement Course (AEC)**		**Semester – I**	
Course Title: हिंदी हास्य-व्यंग्य अध्ययन एवं भाषा ज्ञान		**Course Code: AAEC101EH (Arts)** **SAEC101EH (Science)**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		1	
Total number of Hours in a Semester		**15**	
Credits		1	
Evaluation System	**Semester End Examination**		
	Internal Assessment		25 **marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	बी.ए प्रथम वर्ष हिंदी पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी - व्यंग्य अध्ययन के माध्यम से समाज की विसंगतियों, भ्रष्टाचार, सामाजिक शोषण अथवा राजनीति के गिरते स्तर की घटनाओं पर विद्यार्थी को जागरुक करना और सामाज को नए रुप से देखने का दृष्टिकोण निर्माण करना |
CO 2.	हास्य - व्यंग्य कहानियों के माध्यम से भारतेंदु हरिशचंद्र, हरिशंकर परसाई, बालकृष्ण भट्ट तथा अन्य प्रसिद्ध व्यंग्य लेखकों से परिचय कराना और हास्य - व्यंग्य के माध्यम से हिंदी साहित्य प्रति जिज्ञासा निर्माण कराना।
CO 3.	अभिव्यक्ति कला और रचनात्मक कौशल निर्माण होगा।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	हिंदी हास्य - व्यंग्य के माध्यम से विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कला, रचनात्मक कौशल, लेखन में कल्पनाशीलता आदि कौशल का विकास होगा|
CLO 2.	समाज की विसंगतियों तथा मानव-जीवन की त्रासदियों और राजनैतिक पहलुओं को समझने की क्षमता निर्माण होगी |
CLO 3	हिंदी साहित्य के प्रति रुचि निर्माण होगी |

इकाई 1	**हिंदी हास्य-व्यंग्य कहानियाँ**
1.1	अकबरी लोटा –बाबू अन्नपूर्णानन्द
1.2	मुगलों ने सल्तनत बख्श दी -भगवती चरण वर्मा
1.3	आयी बरखा बहार -हरिशंकर परसाई
1.4	अंगद का पाँव- श्रीलाल शुक्ल
इकाई 2	**भाषा ज्ञान : व्यावहारिक लेखन**
2..1	विलोम, पर्यायवाची शब्द, लिंग, वचन
2.2	पत्र लेखन (औपचारिक एवं अनौपचारिक)

संदर्भ

1. नवीन हास्य-व्यंग्य, सम्पादक डॉ. सुरेश आचार्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य निबंध एवं निबंधकार – डॉ. बापुराव देसाई, चिंतन प्रकाशन, कानपुर
3. हिंदी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य – डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी, अन्नापूर्णा प्रकाशन
4. हिंदी व्यंग्य: बदलते प्रतिमान-डॉ. तेजपाल सिंह चौधरी, पंचशील प्रकाशन , जयपुर
5. हिंदी व्यंग्य और व्यंग्यकार - डॉ. बापुराव देसाई, विनय प्रकाशन, कानपुर
6. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
7. आधुनिक हिंदी गद्य का इतिहास – डॉ. बच्चन

Open Elective Course (OE) (B)

Programme: Humanities **Open Elective Course (OE) (B)**		**Semester – I**	
Course Title: नाट्य एवं रंगमंच-कला (माधवी नाटक के संदर्भ में)		**Course Code: OE105B**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		2	
Total number of Hours in a Semester		**30**	
Credits		2	
Evaluation System	**Semester End Examination**	---	----
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थियों में नाट्य-कला के प्रति जिज्ञासा निर्माण करना |
CO 2.	नाट्य के माध्यम से विद्यार्थियों में मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल निर्माण करना।
CO 3.	विद्यार्थियों को आधुनिक नाटककार जयशंकर प्रसाद. मोहन राकेश, लक्ष्मीनारायण लाल, आदि से परिचित करना |
CO 4.	अभिनय-कला और रंगमच से परिचित करना तथा नाट्य लेखन में विद्यार्थियों की रुचि निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	विद्यार्थियों में नाटक के माध्यम से रंगमच, अभिव्यक्ति-कला तथा नाट्य-कला का विकास होगा |
CLO 2.	नाटकों के माध्यम से वर्तमान समस्याओं, जीवन मूल्यों, तथा सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों की समझ निर्माण होगी |
CLO 3	विद्यार्थियों में मानव-व्यवहार, कल्पनाशीलता में वृद्धि, सामूहिक सहयोग की भावना, समस्या-समाधान, स्मरण शक्ति तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होगी |

इकाई 1	**नाट्य एवं रंगमंच का परिचय**
1.1	नाटक का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
1.2	नाटक के तत्व : कथावस्तु, पात्र, रंगमंच, अभिनय, रस संवाद, देशकाल / वातावरण तथा उद्देश्य
इकाई 2	**नाटक - माधवी – भीष्म साहनी**
2..1	नाटक - माधवी – भीष्म साहनी (पठन- पाठन)
2.2	नाट्य समीक्षा लेखन

संदर्भ

1. माधवी – भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक - डॉ. गिरीश रास्तोगी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
3. हिंदी नाटक आजकल- डॉ. जयदेव तनेजा, अनंग प्रकाशन, कानपुर
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक- डॉ. बेचन, सन्मार्ग प्रकाशन जवाहर नगर दिल्ली, बैंगलोर रोड
5. स्वातंत्र्योत्तर नाटक मूल्य संक्रमण -ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, नई दिल्ली
6. रंगमंच के सिद्धांत- महेश आनंद एवं देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन
7. हिंदी रंगमंच: समकालीन विमर्श -डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी, विनय प्रकाशन
8. हिंदी नाटक- डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिंदी नाटक : रंग-शिल्प, दर्शन- विकल गौतम, वाणी प्रकाशन, दरियागंज
10. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ. नरेंद्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Value Education Course (VEC)

Programme: Humanities		**Semester –I**	
Course Title: हिंदी साहित्य में मानवीय-मूल्य		**Course Code: VEC103**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		2	
Total number of Hours in a Semester		**30**	
Credits		2	
Evaluation System	**Semester End Examination**		
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थियों में कविताओं के माध्यम से मानव के प्रति संवेदनात्मक भाव निर्माण करना |
CO 2.	कहानियों के माध्यम से उनमें सदाचार, त्याग, सत्यनिष्ठा, शुद्ध-आचरण एवं शुद्ध-विचार आदि नैतिक मूल्यों का विकास करना |
CO 3.	कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आदर्श चरित्रों का निर्माण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजगता का निर्माण करना |
CO 4.	राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में आदर्श मूल्यों, सामाजिक दृष्टिकोण, मानवीय संवेदना, शुद्ध-आचरण आदि मूल्यों का विकास होगा|
CLO 2.	विद्यार्थियों में पर्यावरण सरंक्षण के प्रति आत्मीय भावना निर्माण होगी |
CLO 3	विद्यार्थियों में मानव-व्यवहार, कल्पनाशीलता में वृद्धि, सामूहिक सहयोग की भावना, समस्या-समाधान तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होगी |

इकाई 1	**कविताएँ**
1.1	स्वदेश के प्रति – सुभद्रा कुमारी चौहान
1.2	हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए-दुष्यंत कुमार
1.3	पिता के जूते-अशोक वाजपेयी
1.4	पेड़ की पुकार-शम्भुनाथ सिंह
इकाई 2	कहानियाँ-
2..1	भोलाराम का जीव- हरिशंकर परसाई
2.2	उसने कहा था-चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2.3	सलाम -ओमप्रकाश वाल्मीकि
2.4	बोलने वाली औरत – ममता कालिया

संदर्भ

1. साहित्य सौरभ - संपादक प्रो. डॉ.सदानंद भोसले हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय. पुणे
2. आधुनिक हिंदी काव्य और कवि – डॉ, सुरेश चन्द्र निर्मल, भावना प्रकाशन
3. नई कविता के प्रतिमान -लक्ष्मीकांत वर्मा- लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
4. नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी कहानी का समकालीन परिदृश्य – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ , जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
6. कहानी स्वरुप और संवेदना- राजेंद्र यादव , नॅशनल पब्लिशिंग हाऊज, दिल्ली

SEMESTER II

COURSE DETAILS FOR MAJOR:

HINDI MAJOR II

Programme: Humanities **HINDI Major II DSC**		**Semester – II**	
Course Title: : हिंदी उपन्यास एवं गद्य विविधा (भाग -2)		**Course Code: AHIN122MJ**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		4	
Total number of Hours in a Semester		60	
Credits		4	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 marks**
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	हिंदी साहित्य की उपन्यास विधा का सामान्य परिचय करना तथा उपन्यास की विकास यात्रा पर प्रकाश डालना |
CO 2.	उपन्यास के प्रसिद्द रचनाकारों तथा उपन्यासों से परिचय कराना साथ ही वैचारिक दृष्टिकोण का निर्माण करना |
CO 3.	हिंदी साहित्य की अन्य गद्य विधाएँ; संस्मरण, यात्रा वृतांत, पत्र, डायरी आदि का सामान्य परिचय करना |
CO 4.	गद्य विधा के माध्यम से प्रसिद्द गद्यकारों का परिचय करना, रचनात्मक लेखन का विकास करना |
CO 5.	उपन्यास 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' और उपन्यास की लेखिका उषा प्रियंवदा के परिचय के साथ-साथ मूल्यांकन क्षमता का विकास करना|
CO 6.	उपन्यास के पात्रों के माध्यम से विद्यार्थियों में महान चारित्रिक गुणों का विकास करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न पत्र के अंतर्गत हिंदी उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाएँ पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी की उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं से परिचित होंगे |
CLO 2.	हिंदी उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में वैचारिक मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण होगा |
CLO 3	विद्यार्थियों में राजनैतिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, सामाजिक तथा नैतिक मूल्यों का विकास होगा |
CLO 4	उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं कोपढ़ने से पारिवारिक संबंधों में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता तथा समझ का विकास होगा |
CLO 5	हिन्दी साहित्य के उपन्यास तथा अन्य विधाओं के प्रति रूचि निर्माण होगी

इकाई 1	**उपन्यास – पचपन खम्बे लाल दीवारें (उषा प्रियंवदा) राजकमल प्रकाशन**
1.1	उपन्यासकार उषा प्रियंवदा का सामान्य परिचय
1.2	उपन्यास – पचपन खम्बे लाल दीवारें का पठन-पाठन
इकाई 2	**उपन्यास – पचपन खम्बे लाल दीवारें (उषा प्रियंवदा) राजकमल प्रकाशन**
2..1	**उपन्यास – पचपन खम्बे लाल दीवारें की समीक्षा**
2.2	**उपन्यास – पचपन खम्बे लाल दीवारें की समस्याएँ**
इकाई 3	**गद्य विविधा**
3.1	चीनी फेरीवाला वाला (रेखाचित्र) - महादेवी वर्मा
3.2	जीप पर सवार इल्लियाँ (व्यंग्य) - शरद जोशी
3.3	भोर का तारा (एकांकी) - जगदीश चंद्र माथुर
इकाई 4	**गद्य विविधा**

4.1	नए देश , नई जमीन , नए क्षितिज , नए आसमान (आत्मकथ्य)- सुषम बेदी
4.2	आचरण की सभ्यता (निबंध) - अध्यापक पूर्ण सिंह
4.3	अस्थियों के अक्षर (संस्मरण) - श्यौराज सिंह बेचैन

संदर्भ

1. पचपन खम्बे लाल दीवारें -उषा प्रियंवदा , राजकमल प्रकाशन
2. गद्य विविधा - सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, प्रकाशक – परिदृश्य प्रकाशन
3. हिंदी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. अमरकांत, राजकमल प्रकाशन
4. हिंदी साहित्य का गद्य इतिहास- रामचंद्र तिवारी- ज्ञानपीठ प्रकाशन
5. हिंदी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन
6. हिंदी निबंध का इतिहास -मृत्युंजय उपध्याय, तक्षशिला प्रकाशन
7. निबंध सरिता – डॉ. तारा सिंह, कलेवर पब्लिकेशन

HINDI MINOR II (DSE)

Programme: Humanities **HINDI MINOR II (DSE)**		**Semester – II**	
Course Title: आधुनिक काव्य एवं हिंदी भाषा		**Course Code: AHIN122MN**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		4	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		4	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 marks**
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में सृजनात्मक लेखन कला का विकास करना |
CO 2.	कविता के वाचन और व्याख्या से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के प्रसिद्द कवियों से परिचित करना वरन मानवीय संवेदनाओं को महसूस करने की क्षमता का निर्माण करना।
CO 3.	हिंदी भाषा में निबंध लेखन, अपठीत गाद्यांश तथा व्याकरण से लेखन कौशल का निर्माण करना तथा भावानुकूल भाषा प्रयोग कला का निर्माण करना |
CO 4.	व्याकरण के अलग-अलग विषयों का अभ्यास करना ताकि भाषागत अशुद्धियाँ दूर हो सके और हमारे विद्यार्थी शुद्ध लेखन और वाचन कर सकें।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न पत्र के अंतर्गत आधुनिक काव्य एवं हिंदी भाषा पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में काव्य कला एवं अभिव्यक्ति का विकास होगा तथा मानवीय भावनाओं के प्रति संवेदनशील रहेंगे |
CLO 2.	हिंदी भाषा का विकास होगा, ज्ञानात्मक आधार पुष्ट होगा और विद्यार्थियों में रसास्वादन के कौशल का विकास होगा|
CLO 3	विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा लेखन एवं वाचन में शुद्धता, स्पष्टता का विकास होगा |
CLO 4	हिन्दी काव्य और व्याकरण के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों में रूचि निर्माण होगी|

इकाई 1	**काव्यकुंज भाग – 1**
1.1	बीती विभावरी जाग री – जयशंकर प्रसाद
1.2	भिक्षुक – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
1.3	नर हो न निराश करो मन को -मैथिलीशरण गुप्त
1.4	पुष्प की अभिलाषा -माखनलाल चतुर्वेदी
इकाई 2	**काव्यकुंज भाग – 2**
2..1	बसंती हवा -केदारनाथ अग्रवाल
2.2	कहाँ तो तय था चिरागा हर एक घर के लिए -दुष्यंत कुमार
2.3	चल पड़े जिधर दो डग मग में -सोहनलाल द्विवेदी
2.4	विद्रोहिणी -सुशीला टाकभौरे
इकाई 3	व्याकरण
3.1	विलोम, पर्यायवाची, लिंग,
3.2	मुहावरें, लोकोत्तियाँ, कारक
इकाई 4	भाषा दक्षता
4.1	निबंध लेखन
4.2	अपठित गद्यांश

संदर्भ

1. काव्य कुञ्ज - सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी कविता :विविध आयाम - सरस्वती भल्ला, अनामिका पब्लिकेशन

3. हिंदी कविता की प्रगतिशील भूमिका - प्रभाकर श्रोत्रिय- नेशनल पब्लिकेशन हाउस
4. हिंदी भाषा और लिपि -डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
5. बोलचाल की हिंदी -सुशीला गुप्ता
6. आधुनिक हिंदी काव्य और कवि – डॉ. सुरेश चन्द्र निर्मल, भावना प्रकाशन, दिल्ली

Vocational Skill Courses (VSC)

Programme: Humanities **Vocational Skill Courses (VSC)**		**Semester – II**	
Course Title: अनुवाद -कला		**Course Code: AVSC203**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		2	
Total number of Hours in a Semester		30	
Credits		2	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल का विकास करना।
CO 2.	विद्यार्थियों को भाषायी ज्ञान देना |
CO 3.	अनुवाद का परिचय करते हुए साहित्य में अनुवाद लेखन की ओर उन्हें प्रेरित करना |
CO 3.	अनुवाद कला के प्रति रुचि निर्माण करना ताकि वे कहानी, कविता, फिल्म लेखन, पटकथा लेखन आदि का अन्य भाषा में अनुवाद कर सके |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	. हिंदी साहित्य के प्रति रुचि एवं भाषा का विकास होगा | कहानी लेखन में रूचि का निर्माण होगा |
CLO 2.	साहित्य के विविध विधाओं, पटकथा, संवाद, समाचार लेखन आदि में अनुवाद कौशल का विकास होगा |
CLO 3	रोजगार के अनुवाद क्षेत्र में एक लेखक के रूप में विद्यार्थियों का कौशल निर्माण होगा और वे अन्य क्षेत्रों में भी कार्य कर सकेंगे |
CLO 4	हिंदी भाषा में परिपक्वता निर्माण होगी और लेखन क्षेत्र में विद्यार्थियों का कौशल-विकास होगा |

इकाई 1	**अनुवाद का परिचय**
1.1	अनुवाद की परिभाषा अर्थ सवरूप
1.2	अनुवाद का महत्त्व एवं उपयोगिता
1.3	अनुवाद के साधन
इकाई 2	**अनुवाद : व्यावहारिक प्रयोग**
2..1	अनुवाद के प्रकार-(पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, शब्दानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद, नाट्यानुवाद)
2.2	अपठित गद्यांश का अनुवाद- हिंदी से अंग्रेजी /मराठी से हिंदी)

संदर्भ

1. अनुवाद चिंतन : दृष्टि और अनुदृष्टि - सु नागलक्ष्मी, अमन प्रकाशन
2. अनुवाद के विविध आयाम - किशोरीलाल व्यास, नेशनल पब्लिकेशन्स हाउस
3. अनुवाद : समस्याएं एवं समाधान - डॉ अर्जुन चौहान, अमन प्रकाशन
4. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रविधि, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन
5. अनुवाद कला - भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन
6. अनुवाद विज्ञानं- भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन

Skill Enhancement Courses (SEC)

Programme: Humanities **Skill Enhancement Courses (SEC)**		**Semester – II**	
Course Title: हिंदी भाषा कौशल		**Course Code: ASEC203**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**2**	
Total number of Hours in a Semester		**30**	
Credits		**2**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 marks**
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	अहिन्दी भाषी विद्यार्थी को हिंदी भाषा का संज्ञान करना |
CO 2.	विद्यार्थियों में मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल निर्माण करना।
CO 3.	विद्यार्थियों की लेखन-कला में कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता का विकास करना |
CO 4.	साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय देते हुए हिंदी लेखन तथा वाचन का कला का विकास करना |
CO 5.	लेखन के प्रति रुचि निर्माण करना |
CO 6.	कहानी, कविता, संवाद आदि का वाचन एवं पठन का अभ्यास करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	विद्यार्थी हिंदी भाषा से अवगत होंगे और उनमें हिंदी भाषा के प्रति रुचि निर्माण होगी |
CLO 2.	हिंदी साहित्य: कहानी, कविता- वाचन और पठन-कौशल निर्माण होगा |

CLO 3	रोजगार के विविध क्षेत्रों में जैसे फिल्म लेखन, विज्ञापन लेखन, तथा लेखक के रुप में विद्यार्थियों का कौशल निर्माण होगा और वे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकेंगे |
CLO 4	हिंदी भाषा में परिपक्वता निर्माण होगी और लेखन क्षेत्र में विद्यार्थियों का कौशल विकास होगा |

इकाई 1	**हिंदी भाषा : व्याकरण**
1.1	वर्ण-विचार स्वर एवं व्यंजन का सामान्य परिचय
1.2	चिन्ह-योजना का ज्ञान
1.3	पद-ज्ञान (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)
1.4	वाक्य-योजना
इकाई 2	**कविता एवं कहानियाँ :**
2..1	कहानी-वाचन,
2.2	कहानी-लेखन
2.3	कविता-वाचन
2.4	कविता-लेखन

संदर्भ

6. हिंदी भाषा शिक्षण – संपादक प्रो. डॉ.सदानंद भोसले, हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय. पुणे
7. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग \|
8. भाषा विज्ञान की भूमिका – आ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. भाषा विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र – कपिल द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

Ability Enhancement Course (AEC)

Programme: Humanities **Ability Enhancement Course (AEC)**		**Semester – II**	
Course Title: समकालीन महिला कहानीकार एवं भाषा ज्ञान		**Course Code: AAEC201EH (Arts)** **SAEC201EH (Science)**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		1	
Total number of Hours in a Semester		15	
Credits		1	
Evaluation System	**Semester End Examination**		
	Internal Assessment		25 **marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	समकालीन महिला कथाकारों से विद्यार्थियों को परिचित कराना |
CO 2.	समकालीन महिला कहानीकारों की कहानियों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं से अवगत कराना |
CO 3.	समकालीन महिला कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं सामाजिकता का विकास करना |
CO 4.	महिला जीवन के विभिन्न दृष्टिकोणों, अनुभवों, विचारबिंदुओं, छवियों, संवेदनाओं को महसूस करने की क्षमता का निर्माण करना।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	समकालीन महिला कहानीकार मन्नू भंडारी, क्षमा वर्मा, गीतांजलि श्री आदि से विद्यार्थी परिचित होंगे |
CLO 2.	समकालीन महिला कहानियों के माध्यम से महिलाओं सम्बन्धी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक समस्याओं से अवगत होंगे|
CLO 3	समकालीन महिला कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं सामाजिकता का विकास होगा |
CLO 4	महिला जीवन के विभिन्न दृष्टिकोणों, अनुभवों, विचारबिंदुओं, छवियों, संवेदनाओं को महसूस करने की क्षमता का निर्माण होगा।

इकाई 1	**समकालीन कहानियाँ**
1.1	हरी बिंदी - मृदुला गर्ग
1.2	बेल पत्र- गीतांजली श्री
1.3	दाखिला - मधु कांकरिया
1.4	इक्कीसवीं सदी का लडका- क्षमा शर्मा
इकाई 2	**भाषा ज्ञान :** हिंदी व्याकरण
2..1	मुहावरें, लोकोक्तियाँ, कारक
2.2	संवाद लेखन

संदर्भ

1. महिला : कहानी और कविता - सं. प्रो जगमोहन एम. एस, लोकभारती प्रकाशन
2. हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी कहानी का समकालीन परिदृश्य – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ , जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
5. कहानी स्वरुप और संवेदना- राजेंद्र यादव , नॅशनल पब्लिशिंग हाऊज, दिल्ली

Open Elective Course (OE) (B)

Programme: Humanities **Open Elective Course (OE) (B)**		**Semester – II**	
Course Title: नाट्य एवं रंगमंच-कला (माधवी नाटक के संदर्भ में)		**Course Code: OE205B**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		2	
Total number of Hours in a Semester		30	
Credits		2	
Evaluation System	**Semester End Examination**	---	----
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थियों में नाट्य-कला के प्रति जिज्ञासा निर्माण करना |
CO 2.	नाट्य के माध्यम से विद्यार्थियों में मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल निर्माण करना।
CO 3.	विद्यार्थियों को आधुनिक नाटककार जयशंकर प्रसाद. मोहन राकेश, लक्ष्मीनारायण लाल, आदि से परिचित करना |
CO 4.	अभिनय-कला और रंगमच से परिचित करना तथा नाट्य लेखन में विद्यार्थियों की रुचि निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	विद्यार्थियों में नाटक के माध्यम से रंगमच, अभिव्यक्ति-कला तथा नाट्य-कला का विकास होगा |
CLO 2.	नाटकों के माध्यम से वर्तमान समस्याओं, जीवन मूल्यों, तथा सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों की समझ निर्माण होगी |
CLO 3	विद्यार्थियों में मानव-व्यवहार, कल्पनाशीलता में वृद्धि, सामूहिक सहयोग की भावना, समस्या-समाधान, स्मरण शक्ति तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होगी |

इकाई 1	**नाट्य एवं रंगमंच का परिचय**
1.1	नाटक का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
1.2	नाटक के तत्व : कथावस्तु, पात्र, रंगमंच, अभिनय, रस संवाद, देशकाल / वातावरण तथा उद्देश्य
इकाई 2	**नाटक - माधवी – भीष्म साहनी**
2..1	नाटक - माधवी – भीष्म साहनी (पठन- पाठन)
2.2	नाट्य समीक्षा लेखन

संदर्भ

11. माधवी – भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक - डॉ. गिरीश रास्तोगी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
13. हिंदी नाटक आजकल- डॉ. जयदेव तनेजा**,** अनंग प्रकाशन, कानपुर
14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक- डॉ. बेचन, सन्मार्ग प्रकाशन जवाहर नगर दिल्ली**,** बैंगलोर रोड
15. स्वातंत्र्योत्तर नाटक मूल्य संक्रमण -ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन**,** पहली मंजिल**,** नई दिल्ली
16. रंगमंच के सिद्धांत- महेश आनंद एवं देवेन्द्रराज अंकुर**,** राजकमल प्रकाशन
17. हिंदी रंगमंच: समकालीन विमर्श -डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी**,** विनय प्रकाशन
18. हिंदी नाटक- डॉ. बच्चन सिंह**,** लोकभारती प्रकाशन**,** इलाहाबाद
19. हिंदी नाटक : रंग-शिल्प, दर्शन- विकल गौतम, वाणी प्रकाशन**,** दरियागंज
20. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ. नरेंद्र मोहन, वाणी प्रकाशन**,** नई दिल्ली

Value Education Course (VEC)

Programme: Humanities		**Semester –II**	
Course Title: हिंदी साहित्य में मानवीय-मूल्य		**Course Code: VEC203**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		2	
Total number of Hours in a Semester		30	
Credits		2	
Evaluation System	**Semester End Examination**		
	Internal Assessment		**50 marks**

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	विद्यार्थियों में कविताओं के माध्यम से मानव के प्रति संवेदनात्मक भाव निर्माण करना |
CO 2.	कहानियों के माध्यम से उनमें सदाचार, त्याग, सत्यनिष्ठा, शुद्ध-आचरण एवं शुद्ध-विचार आदि नैतिक मूल्यों का विकास करना |
CO 3.	कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आदर्श चरित्रों का निर्माण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजगता का निर्माण करना |
CO 4.	राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में आदर्श मूल्यों, सामाजिक दृष्टिकोण, मानवीय संवेदना, शुद्ध-आचरण आदि मूल्यों का विकास होगा|
CLO 2.	विद्यार्थियों में पर्यावरण सरंक्षण के प्रति आत्मीय भावना निर्माण होगी |
CLO 3	विद्यार्थियों में मानव-व्यवहार, कल्पनाशीलता में वृद्धि, सामूहिक सहयोग की भावना, समस्या-समाधान तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होगी |

इकाई 1	**कविताएँ**

1.1	स्वदेश के प्रति – सुभद्रा कुमारी चौहान
1.2	हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए-दुष्यंत कुमार
1.3	पिता के जूते-अशोक वाजपेयी
1.4	पेड़ की पुकार-शम्भुनाथ सिंह
इकाई 2	कहानियाँ-
2..1	भोलाराम का जीव- हरिशंकर परसाई
2.2	उसने कहा था-चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2.3	सलाम -ओमप्रकाश वाल्मीकि
2.4	बोलने वाली औरत – ममता कालिया

संदर्भ

7. साहित्य सौरभ - संपादक प्रो. डॉ.सदानंद भोसले हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय. पुणे
8. आधुनिक हिंदी काव्य और कवि – डॉ, सुरेश चन्द्र निर्मल, भावना प्रकाशन
9. नई कविता के प्रतिमान -लक्ष्मीकांत वर्मा- लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
10. नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
11. हिंदी कहानी का समकालीन परिदृश्य – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ , जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
12. कहानी स्वरुप और संवेदना- राजेंद्र यादव , नॅशनल पब्लिशिंग हाऊज, दिल्ली

Assessment pattern

ASSESSMENT DETAILS:(this will be same for all the theory papers)

Continuous Assessment (50 marks)

Part 1: Test (**25 Marks**)

- At the beginning of the semester, students should be assigned with a test based on 1 and 2 units.

Part 2: project work (25 marks)

- part II students should be assigned with a project from unit lest
- Students can work in groups of not more than 8 per topic.
- Project Marks will be divided as written submission: 10 Marks & Presentation & Viva: 10 marks)
- The Project/Assignment can take the form of Street-Plays/Power-Point Presentations/Poster Exhibitions and similar other modes of presentation appropriate to the topic.
- Students must submit a hard copy of the Project before the last teaching day of the semester.

VSC/SEC/VEC Course CA Assessment (50 marks)

Part 1: Test (**20 Marks**)

- At the beginning of the semester, students should be assigned with a test based on 1 and 2 units.

Part 2: project work (20 marks)

- part II students should be assigned with a project from units lest
- Students can work in groups of not more than 8 per topic.
- Project Marks will be divided as written submission: 15 Marks & Presentation & Viva: 10 marks)
- The Project/Assignment can take the form of Street-Plays/Power-Point Presentations/Poster Exhibitions and similar other modes of presentation appropriate to the topic.
- Students must submit a hard copy of the Project before the last teaching day of the semester.

Part 3: Attendance **– 10 marks**

AEC Course CA Assessment (25 marks)

Part 1: Test (**20 Marks**)

- At the beginning of the semester, students should be assigned with a test based on 1 and 2 units.

Part 2: Attendance **– 5 marks**

Semester End Examination – External Assessment (50 marks)

- The duration of the paper will be two hours.
- There shall be four compulsory questions
- Q1-3 shall correspond to the three units s. Q1-3 shall contain an internal choice (attempt any 1 of 2). Q1-3 shall carry a maximum of 12 marks
- Q4 shall be a short note from units 1 to 4. Q4 shall carry a maximum of 14 marks (2x7 marks) (attempt any 2 of 4)

Bos member

1. VC Nominee Dr. Satyawati Chaubey,
2. Subject Expert Dr. Dinesh Pathak, Dr. Ravindra Katyayan
3. Industry expert Mr. Sundar Chand Thakur
4. Sophia college alumna Dr. Tabassum Khan
5. Chairperson – Dr. Vaishali Pachunde,
6. Dept. member – Dr. Smriti Singh and Ms. Priyanka Chauhan attended the meeting.

****